>

Title: Need to give compensation to the people affected due to hailstorm in Jalone district , Uttar Pradesh.

श्री घनश्याम अनुरागी (जालौन): सभापति महोदय, 11.4.2012 को हमारे संसदीय क्षेत्र जालौन में एक भीषण दैवीय आपदा के कारण बहुत विशाल ओलावृष्टि हुई। उस ओलावृष्टि में 14 मौतें हुई और करीब एक हजार से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वहां के लोग कहते हैं कि एक-एक, डेढ़-डेढ़ किलोग्राम का ओला आज तक नहीं देखा था। यदि किसी को लग गया तो वह मर ही गया। अस्पताल में ऐसी स्थिति थी कि जहां ओला लगा था, वहां वह व्यक्ति का मांस लेता चला आया, जैसे कि पत्थर लग रहा हो। इतने विशाल ओले थे। उसके कारण पूरी फसलें नष्ट हो गई। फसलें तो नष्ट हुई, लेकिन जानवरों की भी हानि हुई। ढेर सारे सरकारी संसाधन, जिनमें बिजली के तार, खंभे इत्यादि भी नष्ट हो गए, टूट गए।

सभापति महोदय: घनश्याम जी, आप चाहते क्या हैं?

श्री घनश्याम अनुरागी: माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर वहां के राजस्व मंत्री और राहत मंत्री श्री अम्बिका चौधरी जी गए। उन्होंने वहां मौके पर मृतक के आश्रितों को डेढ़-डेढ़ लाख रुपए का लाभ दिया और उत्तर प्रदेश की सरकार उनको मुआवज़ा देने का काम भी कर रही है। लेकिन, हम आपसे मांग करते हैं कि डेढ़ लाख रुपया बहुत कम है। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करना चाहते हैं कि उन मृतकों के आश्रितों को कम से कम पांच-पांच लाख रुपए दिए जाएं चूंकि वे किसान, मजदूर, और गरीब लोग थे जो अपने खेतों में काम कर रहे थे।

माननीय सभापति जी, हम मांग करते हैं कि घायलों को पचास-पचास हजार रुपए दिए जाएं। जो वहां सम्पत्ति नष्ट हो गयी है, उसका पूरा मुआवज़ा वहां के किसानों को देने का कष्ट करें। हमारे संसदीय क्षेत्र बुंदेलखंड में दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की तबाही हो गयी है। इसलिए वहां विकास के लिए केन्द्र सरकार दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा दे जिससे वहां लोगों का पुनर्वास हो सके, बिजली की व्यवस्था हो सके, किसानों और बेरोज़गारों को रोजगार और राहत देने का काम किया जा सके।